REET 2025
LEVEL-1 & 2
वंदन बैच
हिंदी
मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
LIVE
04-02-2025 11:00 AM

मुहावरा- मुहावरा शब्दों का समूह होता है। जिसका अर्थ अपने शब्दो के निहित अर्थ से अलग होता है।

लोकोक्ति- लोकोक्ति का अर्थ लोक में प्रचलित उक्ति होता है।

मुहावरा एवं लोकोक्ति में अन्तर :-

* मुहावरे का प्रयोग वाक्य के साथ करना होता है। जबकि लोकोक्ति का प्रयोग स्वतन्त्र रूप से किया जा सकता है।
* मुहावरे का प्रयोग भाषा को बल देने के लिए किया जाता है। जबकि लोकोक्ति का प्रयोग किसी घटना विशेष के लिए होता है।
* मुहावरे छोटे होते है जबकि लोकोक्ति बड़ी और भावपूर्ण होती है।

- अंकुस राखबौ - नियंत्रण रखना
- अंग-अंग मुस्काणा, मुस्कराणा । - अत्यंत प्रसन्न होना ।
- अंत बणाणौ - बुढ़ापे का सहारा बनाना।
- औस्था से बैर करणौ - सामर्थ्य से अधिक श्रम करना ।
- अक्कल को दुसमण होणी - अत्यंत मूर्ख होना।
- आपणा पगा पै कुहाडी मारणौ - स्वयं की हानि स्वयं ही करना।
- आँधी को आम - बहुत सस्ता होना ।
- आसमांण छणौ - बहुत ऊँचा होना।

- **इज्जत मै बट्टो लागबौ -** इज्जत समाप्त होना।
- **इल्लत पालबौ -** मुसीबत मोल लेना।
- **ईद रो चाँद होणौ -** बहुत दिनों में दिखाई देने वाला।
- **उठणौ-बैठणौ -** मेल-जोल होना।
- **कबर मा पग लटकाबौ -** मौत के समीप होना।
- **कंधो लगाबौ -** सहारा देना।
- **कतर-ब्योंत करणौ -** खर्च में कमी करना।
- **कंधा - सूँ- कंधो मिलाबौ -** पूर्ण रूप से सहयोग देना।

- **काँटा पै पग मेलबौ** - जान-बूझकर मुसीबत मोल लेना।
- **खून-पसीणो एक करणौ** - अथक परिश्रम करना।
- **खाक छाणबौ** - निरर्थक भटकना।
- **गंगा न्हाणौ** - कोई अच्छा किंतु कठिन काम पूरा करना।
- **गाँस निकालबा** - वैर निकालना।
- **गाज पड़णौ** - भारी विनाश होना।
- **गाजर-मूळी-सो काटणौ** - तुच्छ समझना।
- **गाड़ी अटकणौ** - बाधा आ पड़ना।

- गारा कर डाळणौ - घिसी-पिटी बातें दोहराना।
- करगाट्या की नाई रंग बदलबौ - अवसरवादी होना।
- गण-गणर दिन काटबौ - दुर्दिनों के फेर में पड़ना।
- गिरह बाँधणौ - स्मरण रखना।
- घपला मा पड़बौ - उलझन में फँसना।
- घर उज्जड़ जाणौ - परिवार बिखर जाना।
- घरां सूँ बारै पग निकालबौ - मर्यादा लाँघना।
- चंपत होबौ - भाग निकलना या गायब होना।

- **चंदण लगाणौ** - खर्चा करवाना ।
- **चंडूखाने रा हाँकणौ** - बेसिर-पैर की बातें करना ।
- **छाती बैठणी** - अधिक खर्च होने की आशंका से घबराहट होना।
- **छपर्यों फाड़ देबौ** - ईश्वर की दयालुता में वृद्धि होना ।
- **छल-छंद सूं दूर रहबौ** - धोखाधड़ी से दूर रहना ।
- **छांणणी होबौ** - जर्जर हो जाना।
- **जंजाळ मै पड़बौ** - झंझट मोल लेना ।
- **जक पकड़बौ** - हठ करना ।

- **जी' रा पग बळै जो जाणै** - जिस पर बीतती है वही जानता है ।
- **जै'र उगळणौ** - किसी के विरुद्ध द्वेषपूर्ण बात कहना ।
- **जनम गुमाणौ** - निर्लक्ष्य दौड़-धूप ।
- **जुबांन पै आबौ** - मजबूरी में कह बैठना ।
- **झाड़ू फेरणौ** - बिल्कुल नष्ट कर देना / सब कुछ साफ कर देना।
- **झपटौ मारबौ** - ले उड़ना ।
- **झपटणौ** - छीन लेना।
- **झटकौ देबौ** - हानि पहुँचाना।

- **टिकटिकी बाँधणौ** - पलकें झपकाये बिना निहारना।
- **टायं-टायं फिस्स** - सब डींगे खोखली रह जाना।
- **टपक पड़णौ** - सहसा आ धमकना।
- **ठंडौ पड़णौ** - हिम्मत हार बैठना।
- **ठाठ - बाट सूं रहबौ** - शानों-शौकत से रहना।
- **ठेकौ लेणौं** - दायित्व संभालना।
- **डूबतै नै था 'मिळणी** - दुविधा में सहारा मिलना।
- **डंकौ बजाबौ** - प्रसिद्धि के शिखर पर पहुँचाना।

- डंस मारबौ - कड़वी बात कह सुनाना।
- ढंग पै ल्याणौ - अपने साथ जोड़ना।
- ढब आणौ - तरीका समझना।
- ताळी मिळाणी - सांठ-गांठ करना।
- तळवौ चाटणौ - खूब खुशामद करना।
- तळवौ धो 'र पीणौ - अत्यंत सेवा-सुश्रुशा करना।
- नकटौ बूँचौ - सबसूं ऊँचौ - खोटे मगर प्रभावशाली व्यक्ति का भी सम्मान होता है।

- **नैणा में जेठ असाढ़ लागणौ** - आंसुओं की झड़ी लग जाना।
- **नाक रै चूनौ लगाणौ** - किसी की इज्जत में बट्टा लगाना ।
- **नौ-नौ ताळ कूदणौ** - थोड़ी-सी खुशी या लाभ का अत्यधिक प्रदर्शन करना ।
- **नगारा रौ ऊँट** - निर्लज्ज, ढीठ
- **नाहर रै मूंडा में कुण हाथ देवै** - कौन विपत्ति मोल ले
- **नजर उतारबौ** - बुरी नज़र से बचाने का उपाय करना ।
- **निसाणौ मारबौ** - प्रहार करना ।

➪ **पहेली बुझाणौ** - घुमा-फिराकर बात कहना ।

➪ **पांचू आंगळी घी में होणी** - चारों ओर से लाभ होना ।

➪ **पांणी पै 'ली पाळ बांधणी** - आफत आने से पहले ही उससे बचाव का कार्य कर लेना ।

➪ **पाप रौ घड़ौ फूटणौ** - किसी के अत्याचारों अथवा कुकर्मों का भंडाफोड़ हो जाना ।

➪ **पगां तळां री जमींन खिसकणी** - होश- हवास खो बैठना / अत्यधिक नुकसान हो जाना।

- पग तोड़नौ - बहुत परिश्रम करना।
- पलंग पकड़णौ - बीमार होकर बिस्तर पर पड़ जाना।
- पलक-पावड़ौ बिछाणौ - अत्यंत प्रेम से स्वागत करना।
- पंज्यो लड़ाबौ - शक्ति परीक्षण करना।
- पग धरबौ - प्रवेश करना।
- फूटी आँख नी सुहावणौ - जरा भी अच्छा नहीं लगना।
- फुट्यौ ढोल होणा - नितांत मूर्ख होना।
- फोकट को होणौं - मुफ्त का होना।

- फलाँग भरबौ - कूद जाना।
- बळती लाय में पूळौ न्हांकणौ - कहा-सुनी के बीच और भड़काऊ बात कहकर उसे बढ़ावा देना। गुस्से को और बढ़ाने का काम करना ।
- अंतर के पट खोलना -विवेक से काम लेना ।
- छक्के छुड़ाना - हारना
- पौ बारह होना - लाभ ही लाभ होना
- जौहर खुलना - भेद का पता लगना

- अंगूठी का नग होना - बहुत कीमती
- समुद्र मंथन करना - कठोर परिश्रम करना
- तीर मारना -बड़ा काम करना
- नौ-दो ग्यारह होना - रफू चक्कर होना
- सिर आँखों पर बिठाना - हृदय से सेवा सत्कार करना
- आकाश से बातें करना - बहुत ऊँचा होना
- बाँसों उछलना - प्रसन्न होना
- भाड़ झोंकना -व्यर्थ समय नष्ट करना

- लंगोटी में फाग खेलना - दरिद्रता में आनंद मनाना
- ऐसी-तैसी करना - दुर्दशा करना
- एंड़ी चोटी का जोर लगाना - बहुत परिश्रम करना
- लुटिया डूब जाना - पूर्णत: हार जाना
- दाँतों तले उँगली दबाना - हैरान होना
- अंधेरी नगरी - अन्याय की जगह
- अँगूठा दिखाना -इंकार करना
- खून पानी होना -कोई असर न होना

- माथा ठनकना - अनिष्ट की आशंका होना
- ईमान बेचना - अपने कर्तव्य से हट जाना
- रस्सी का साँप बनाना - बात का बतंगड़ बनाना।
- सिर मुँडाते ही ओले पड़ना - शुरू में ही विघ्न पड़ना।
- अंगूठा दिखाना दिखाना - इनकार करना
- अंधे की लकड़ी होना - एकमात्र सहारा
- अंधे के हाथ बटेर लगना - अनायास ही मिलना
- आँख मूँदना - मर जाना / अनदेखी करना

- उँगली पर नचाना - वश में रखना
- उड़ती चिड़िया पहचानना - दूरदर्शी होना
- ओले पड़ना - विपत्ति आना।
- कूपमण्डूक होना - सीमित ज्ञान
- काँटा दूर होना - बाधा दूर होना
- कालिख पोतना - बदनामी करना
- कंगाली में आटा गीला होना - अभाव में और भी अभाव होना
- गागर में सागर भरना - थोड़े में बहुत कुछ कहना

- चोली दामन का साथ होना- अत्यन्त निकटता
- चिराग तले अंधेरा होना - अपना दोष स्वयं दिखाई नहीं देता
- चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना - आश्चर्य होना
- घाट, घाट का पानी पीना - बहुत अनुभव प्राप्त करना
- जूतियों में दाल बाँटना - अनबन होना
- नाक में नकेल डालना - वश में करना
- फट पड़ना - एक दम गुस्से में हो जाना
- भैंस के आगे बीन बजाना - बेसमझ आदमी को उपदेश देना

- भगीरथ प्रयत्न करना - अथक परिश्रम
- मुट्ठी गरम करना - रिश्वत देना
- श्री गणेश करना - कार्य आरम्भ करना
- सब्ज बाग दिखाना - लालच देकर बहकाना
- अंगूठा चूमना - खुशामद करना, चापलूसी करना
- कौड़ी को न पूछना - निकम्मा होना
- तालु में जीभ न लगना - चुप न रहना
- हाथ पीले करना - विवाह करना

- सारा काम रुक जाना - गुड़ गोबर करना
- तूती बोलना - किसी भी क्षेत्र में अमिट प्रभाव छोड़ना
- तेली का बैल होना - बुरी तरह काम में लगे रहना
- न उधो का लेना न माधो को देना - अपने काम से काम
- कान फूँकना - दीक्षित करना
- ईद का चाँद होना - बहुत दिनों बाद दिखाई देना
- घाट घाट का पानी पीना - बहुत अनुभवी होना
- आँख का नीर ढल जाना - निर्लज्ज हो जाना

- तोते की तरह आँखे फेरना - पुराने सम्बन्धों को एकदम भुला देना
- मखमली जूते मारना - मीठी बातों से लज्जित करना
- हथेली पर सरसों जमाना - काम इतनी जल्दी नहीं हो जाता
- दाम लगाना - मूल्य आँकना
- कच्चे घड़े से पानी भरना - ठीक ढंग से काम न करना
- चाँदी का ऐनक लगाना-किसी न किसी प्रकार प्रतिष्ठा बनाए रखना
- दिन को दिन रात को रात न समझना - कोई बड़ा काम करते समय अपने सुख आराम का कुछ भी ध्यान न रखना

- रीढ़ टूटना - निराश हो जाना
- सुबह शाम करना- टाल मटोल करना
- हाथ ऊँचा होना - दान आदि के लिए मन में उदारता का भाव होना
- डंके की चोट पर कहना - सबके सामने घोषित करना
- तीन तेरह होना - तितर बितर होना
- अंग-अंग ढीला होना - शिथिल होना (थक जाना)
- कलेजा होना - हिम्मत होना
- सिर उठाना - विरोध में आना

- अंधे की लकड़ी - एकमात्र सहारा
- राम नाम जपना, पराया माल अपना - धोखे से धन जमा करना
- नीम हकीम खतरे जान - अल्प विद्या भयंकर
- कान भरना - चुगली करना
- चैन की बंशी बजाना - मौज करना
- अमर बेल बनना - संग लगे रहना
- घूर के दिन फिरना - गरीबों की स्थिति में सुधार होना
- नहले पर दहला मारना - करारा जवाब देना

- नमक मिर्च लगाना - बढ़ा - चढ़ाकर बातें करना
- कागजी घोड़े दौड़ाना - व्यर्थ की लिखा पढ़ी
- पट्टी पढ़ना -भुलावे में रखना
- गाल बजाना - बकवास करना
- झंडा गाड़ना - अधिकार जमाना
- दूध का धुला होना - निष्कलंक होना
- चकमा देना - भाग जाना
- मुंह में पानी आना - लालच आना

- आंखों में पानी भरना - द्रवित होना
- हथियार डालना - हार मान लेना
- पाप कटना - परेशानी समाप्त होना
- कान काटना - बहुत चतुर होना
- आस्तन का सांप होना - विश्वास घाती मित्र
- कलम तोड़ना - बहुत अच्छा लिखना
- बट्टा लगाना - दोष लगाना
- टोपी उछालना - निरादर करना

CTET JULY 2025
ROJGAR With ANKIT
L-1 & L-2
हिंदी
Hindi Pedagogy
(गद्यांश-पद्यांश)
ONE SHOT
LIVE 05-02-2025 06:00 AM

- गड़े मुर्दे उखाड़ना - पुरानी बातों को उभारना
- दाई से पेट छुपाना -जानकार से भेद छुपाना
- मिट्टी पलीत करना - दुर्दशा करना
- आंखें फिरना -उपेक्षा करना
- ईट से एट बजाना - नष्ट भ्रष्ट कर देना
- उंगली पड़कर पहुँचा पकड़ना - जरा सा सहारा प्रकार अधिकार जमाने की कोशिश करना

- सूरज को दिया दिखाना - किसी महान व्यक्ति की तुच्छ प्रशंसा करना
- घी के दिए जलाना - अत्यंत प्रसन्न होना
- चुल्लू भर पानी में डूब मरना - शर्म के मारे मुंह ना दिखाना
- लकीर का फकीर होना -पुराने विचारों का होना
- हाथ के तोते उड़ना - होश गुम हो जाना
- चांदी के जूते मारना - रुपए पैसा का लालच देना
- कलेजे पर सांप लेटना - डाह करना

- लकीर का फकीर होना - अंधविश्वासी होना
- थूक कर चाटना - कही हुई बात से मुकर जाना
- अंचल पकड़ना (थामना) – सहारा देना
- सिर पर पांव रखकर भागना - तुरंत भाग जाना
- तिल का ताड़ बनाना - छोटी से बात को बढ़ा देना
- नाक बच जाना - इज्जत बच जाना
- खेत रहना - युद्ध में शहीद होना

- घर का जोगी जोगड़ा, आन गाँव का सिद्ध का अर्थ है - घर के ज्ञानी को सम्मान नहीं
- कोई इर घाट तो कोई बीर घाट का अर्थ है - ताल-मेल न होना
- आ बैल मुझे मार का अर्थ है - जान बूझकर मुसीबत में पड़ना
- आम के आम गुठलियों के दाम का अर्थ है - दोहरा लाभ होना
- हाथ कंगन को आरसी क्या का अर्थ है - प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं

- आप डूबे तो जग डूबा का अर्थ है - बुरा आदमी सबको बुरा कहता है
- तेल देखों तेल की धार देखो का अर्थ है - रूख पहचानना
- ओखली में सिर दिया तो मूसलों का क्या डर का अर्थ है - कठिन काम शुरू करने पर कष्ट तो सहन करने ही पड़ते हैं
- जैसे बहे बयार, पीठ तब तैसी दीजे का अर्थ है - समय का रुख देखकर काम करना चाहिए

- एक तो करेला आप तीता दूजा नीम चढ़ा' का अर्थ है - बुरे का और बुरे से संग होना
- चूहे के चाम से नगाड़े नहीं मढ़े जाते कहावत का सही अर्थ – सीमित साधनों से बड़े काम नहीं होते है
- अपना सोना खोटा तो परखैया के का दोष? – अपने ही लोग बुरे हों तो पराये व्यक्तियों को क्या दोष दिया जाए?
- आग खायेगा तो अंगार उगलेगा - बुरे काम का बुरा नतीजा

- आगे जाए घुटने टूटे, पीछे देखे आँख फूटे - जिधर जाएँ उधर ही संकट
- आदमी को ढाई गज़ कफ़न काफ़ी है - इंसान को सन्तोष करना चाहिए।
- आपा तजे तो हरि को भजे - स्वार्थ छोड़ने से ही परमार्थ होता है।
- आस-पास बरसे दिल्ली पड़ी तरसे – जिसको आवश्यकता हो, उसे न मिले।

- इतनी सी जान, गज़भर ज़बान - अवस्था के हिसाब से अधिक बोलना
- करमहीन खेती करे, बैल मरे या सूखा पड़े - दुर्भाग्य होने पर सभी काम बिगड़ते हैं।
- घड़ी में तोला, घड़ी में मासा; पल में तोला, पल में मासा – अनिश्चित स्वभाव का व्यक्ति
- चूहे घर में डण्ड पेलते हैं - अत्यधिक दयनीय स्थिति

- चोट्टी कुतिया जलेबियों की रखवाली - भक्षक को रक्षक का दायित्व सौंपना
- जबरा मारे रोवे न दे - ताकतवर व्यक्ति का अत्याचार चुपचाप सहना पड़ता है।
- जहाँ जाय भूखा, वहाँ पड़े सूखा - भाग्यहीन को कहीं सुख नहीं मिलता।
- जैसी बहै बयार, पीठ तब तैसी दीजै डार - अवसर के अनुकूल बन जाना चाहिए।

- टट्टी की ओट से शिकार खेलना - छुपकर बुरा काम करना
- डण्डा सबका पीर - सख़्ती करने से लोग नियन्त्रित होते हैं।
- दाग़ लगाये लँगोटिया यार - अपनों से ही व्यक्ति धोखा खाता है।
- नंगा क्या नहायेगा, क्या निचोड़ेगा? - निर्धन से आर्थिक मदद की आशा नहीं करनी चाहिए।
- नदी-नाव संयोग - थोड़े समय का साथ

- बिच्छू का काटा रोवे, साँप का काटा सोवे – मीठी मार अधिक बुरी होती है।
- मेढकी को भी जुकाम हुआ है - अपनी शक्ति से बढ़कर बात करना
- शेख़ी सेठ की, धोती भाड़े की - कुछ न होने पर भी बड़प्पन दिखाना
- शेरों का मुँह किसने धोया ?- सामर्थ्यवान के लिए कोई उपाय नहीं।

- इन्द्र की परी – बहुत सुन्दर स्त्री
- बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद - किसी वस्तु का महत्व न समझना
- ओछे की प्रीति बालू भीति - निकृष्ट का साथ बहुत मजबूत नहीं होता
- ग्यारह चुस्त मुद्दई सुस्त - जिसका काम वह देर करें, दूसरे फुर्ती दिखाएं
- ऊंची दुकान फीके पकवान - दिखावा ही दिखावा

- एक अनार सौ बीमार - आवश्यकता से अधिक मांग
- दूध का दूध पानी का पानी - निष्पक्ष न्याय
- गरीबों की जोरू सबकी भाभी - कमजोर से सभी लाभ उठाते हैं
- जैसी करनी वैसी भरनी - क्रमानुसार फल की प्राप्ति